वित्तीय विवरणों का विश्लेषण

4

आप कंपनी के वित्तीय विवरणों (आय विवरण एवं तुलन-पत्र) के बारे में पढ़ चुके हैं। सामान्यत: ये संक्षिप्त वित्तीय प्रतिवेदन हैं जो कंपनियों के प्रचालन परिणाम एवं वित्तीय स्थिति दर्शाते हैं। साथ ही इन प्रतिवेदनों में सम्मिलित विस्तृत सूचनाएँ प्रचालन कार्यक्षमता और वित्तीय सुदृढ़ता के मूल्यांकन हेतु सहायक होती हैं। इसके लिए सही विश्लेषण और व्याख्या की आवश्यकता पड़ती है जिसके लिए विशेषज्ञों द्वारा भिन्न-भिन्न तरह की तकनीकों का गठन किया गया है। इस अध्याय में हम इन तकनीकों का अवलोकन करेंगे।

अधिगम उद्देश्य

इस अध्याय को पढ़ने के उपरांत आप–

- *वित्तीय विश्लेषणों की प्रकृति एवं उनके महत्त्व की व्याख्या कर सकेंगे।*
- *वित्तीय विश्लेषणों के उद्देश्यों की पहचान कर सकेंगे।*
- *वित्तीय विश्लेषण की विभिन्न तकनीकों का वर्णन कर सकेंगे।*
- *वित्तीय विश्लेषणों की सीमाओं को बता सकेंगे।*
- *तुलनात्मक एवं सामान्य आकार के विवरणों को तैयार करना तथा उसमें दिए गए आँकड़ों की व्याख्या कर सकेंगे; एवं*
- *प्रवृत्ति प्रतिशत का परिकलन एवं उनकी व्याख्या कर सकेंगे।*

4.1 वित्तीय विवरण–विश्लेषण का तात्पर्य

वित्तीय विवरणों में सन्निहित वित्तीय सूचनाओं को समझने के क्रम में तथा फ़र्म के संचालन संबंधी निर्णयों को लेने के लिए विवेचनात्मक परीक्षण की प्रक्रिया को वित्तीय विवरण विश्लेषण कहते हैं। यह मूलभूत रूप से वित्तीय विवरण में दिए गए विभिन्न संख्याओं और तथ्यों के बीच संबंधों का अध्ययन तथा व्याख्या है जिससे किसी भी फ़र्म की लाभप्रदता और प्रचालन कार्यक्षमता दृष्टिगत होती है जो वित्तीय स्थिति एवं भविष्य परिदृश्य के मूल्यांकन में सहायक होती हैं।

'वित्तीय विश्लेषण' में विश्लेषण और व्याख्या दोनों का समावेश है। विश्लेषण से आशय वित्तीय विवरणों में दिए गए वित्तीय आँकड़ों का विधिवत वर्गीकरण द्वारा सरलीकरण करना है। व्याख्या से आशय आँकड़ों के अर्थ एवं अभिप्राय स्पष्ट करने से है। ये दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। "विश्लेषण बिना व्याख्या अर्थहीन है और व्याख्या बिना विश्लेषण कठिन ही नहीं असंभव है।"

वित्तीय विवरणों का विश्लेषण एक निर्णायक प्रक्रिया है जिसका उद्देश्य एक उपक्रम की भूतपूर्व और वर्तमान वित्तीय स्थिति और प्रचालन के परिणाम का आकलन करना है, जिसका प्राथमिक उद्देश्य भविष्यकालीन परिस्थितियों के लिए सर्वोच्य अनुमान ज्ञात करना है। इसमें मुख्यत: वित्तीय विवरणों में दर्शाई गई सूचनाओं का पुन– समूहीकरण और व्याख्या का समावेश होता है जो व्यावसायिक इकाइयों की क्षमता और कमज़ोरियों पर प्रकाश डालता है, जो कि अन्य फ़र्मों से तुलना (अनुप्रस्थ व्याख्या) और फ़र्म की विभिन्न समयाविधियों पर स्वयं का निष्पादन (समय शृंखला विश्लेषण) संबंधी निर्णय लेने में सहायक हो सकते हैं।

4.2 वित्तीय विवरणों के विश्लेषण का महत्त्व

वित्तीय विश्लेषण एक फ़र्म की वित्तीय सुदृढ़ता एवं कमज़ोरियों को पहचानने का एक प्रक्रम है, जिसमें तुलन-पत्र तथा लाभ व हानि विवरण की मदों के बीच उचित संबंधों को देखा जाता है। वित्तीय विश्लेषण की जिम्मेदारी फ़र्म के प्रबंधन द्वारा या फ़र्म से बाहर के पक्षों द्वारा ली जा सकती है जैसे कि फ़र्म का स्वामी, व्यापारिक लेनदार, ऋणदाता, निवेशक, श्रम संगठन, विश्लेषक तथा अन्य। विश्लेषण की प्रकृति, उपयोगकर्ता अर्थात्, विश्लेषक के उद्देश्य पर आधारित होती है जो भिन्न-भिन्न हो सकती है। एक विश्लेषक द्वारा प्राय– प्रयुक्त की जाने वाली तकनीक आवश्यक नहीं है कि दूसरे विश्लेषक के उद्देश्य को पूरा करें, क्योंकि विश्लेषण की रुचि में भिन्नता होती है। वित्तीय विश्लेषण विभिन्न उपयोगकर्ताओं के लिए निम्न प्रकार से उपयोगी एवं महत्त्वपूर्ण होता है-

(i) *वित्त प्रबंधक*– इसमें वित्तीय विश्लेषण का केंद्र बिंदु कंपनी के प्रबंधकीय निष्पादन, निगम सक्षमता, वित्तीय सुदृढ़ता तथा कमज़ोरियों और कंपनी की उधार पात्रता से संबंधित तथ्यों एवं संबंधों पर होता है। एक वित्त प्रबंधक को निश्चित रूप से विश्लेषण के विभिन्न साधनों से सुसज्जित होना चाहिए ताकि फ़र्म के लिए विवेकपूर्ण निर्णय लिए जा सकें। विश्लेषण के साधन लेखांकन आँकड़ों के अध्ययन में सहायता करते हैं ताकि संचालन नीतियों की सततता, व्यवसाय का निवेश मूल्य, साख मान तथा संचालन की सक्षमता की जाँच का निर्धारण हो सके। ये तकनीकें वित्तीय नियंत्रण के क्षेत्रों तथा फ़र्म के लिए वास्तविक वित्तीय संचालन की निरंतर समीक्षा में सक्षम बनाने हेतु समान रूप से महत्त्वपूर्ण होती हैं। इसके साथ ही प्रमुख विचलनों के कारणों को विश्लेषित करने में सहायक होती हैं जिसके परिणामस्वरूप जब कभी संकेत मिलते हैं तो सुधारात्मक कार्यवाही की जाती है।

(ii) *उच्च प्रबंधन*– वित्तीय विश्लेषणों का महत्त्व केवल वित्त प्रबंधकों तक ही सीमित नहीं है। इसका परिक्षेत्र व्यापक है जिसके अंतर्गत सामान्यत: उच्च प्रबंधन तथा अन्य कार्यात्मक प्रबंधक शामिल होते हैं। फ़र्म का प्रबंधन वित्तीय विश्लेषण के प्रत्येक पहलू में रुचि दिखा सकता है। यह कुल मिलाकर उनकी ही ज़िम्मेदारी होती है कि वे देखें कि फ़र्म के संसाधनों को अधिकतम सक्षमता के साथ इस्तेमाल किया जाए ताकि फ़र्म की वित्तीय स्थिति सुदृढ़ रहे। वित्तीय विश्लेषण प्रबंधन की सफलता को मापने में सहायता करते हैं। दूसरे शब्दों में, कंपनी के संचालन, वैयक्तिक निष्पादन मूल्यांकन तथा आंतरिक नियंत्रण की व्यवस्था के आकलन में सहायता करते हैं।

(iii) *व्यापारिक देय*– व्यापारिक देय, वित्तीय विवरणों के विश्लेषण द्वारा न केवल कंपनी की अल्पकालीन दायित्व भुगतान क्षमता का मूल्यांकन करते हैं, बल्कि एक समय विशेष पर उसकी वित्तीय देयताओं को पूरा करने की क्षमता के साथ-साथ भविष्य में सतत् रूप से वित्तीय देयताओं को पूरा करने की संभावना को भी देखते हैं। व्यापारिक देय एक फ़र्म की क्षमता में विशेष रूप से रुचि रखते हैं जो एक बहुत छोटी-सी अवधि में उनके दावे को पूरा करने की क्षमता रखती है। इस प्रकार से, उनका विश्लेषण फ़र्म की द्रवता स्थिति के मूल्यांकन को सुनिश्चित करता है।

(iv) *ऋणदाता*– दीर्घकालिक ऋण या उधार के पूर्तिकार, फ़र्म के दीर्घकालिक ऋण शोधन क्षमता एवं उत्तरजीविता से चिंतित होते हैं। यह एक विशेष समयावधि के दौरान फ़र्म की लाभप्रदता, ब्याज तथा मूलधन को चुकाने के लिए रोकड़ पैदा करने की क्षमता तथा विभिन्न निधियों के स्रोतों (पूँजी संरचना संबंधों) के मध्य संबंधों का विश्लेषण करते हैं। दीर्घकालिक ऋणदाता ऐतिहासिक वित्तीय विवरणों का विश्लेषण करते हैं, ताकि वे अपने भविष्य की ऋण शोधन क्षमता एवं लाभप्रदता की जांच कर सकें।

(v) *निवेशक*– निवेशक, जोकि फ़र्म के अंशों में अपना धन निवेश करते हैं, फ़र्म के अर्जन के संदर्भ में रुचि रखते हैं। इस तरह से, वे फ़र्म की वर्तमान एवं भावी लाभप्रदता के बारे में विश्लेषण करते हैं। इसके साथ ही फ़र्म के पूँजी ढाँचे में रुचि रखते हैं ताकि वे फ़र्म के अर्जन एवं जोखिमों पर इसके प्रभाव के बारे में जान सकें। अंश धारक या निवेशक प्रबंधन की सक्षमता का मूल्यांकन भी करते हैं और यह निर्धारित करते हैं कि बदलाव की ज़रूरत है या नहीं। हालाँकि कुछ बड़ी कंपनियों में, अंश धारकों की रुचि, इस बारे में सीमित होती है कि वे अंश खरीदे, बेचे या उन्हें धारित रखें अथवा नहीं।

(vi) *श्रम संगठन*– श्रम संगठन वित्तीय विवरणों का विश्लेषण यह जानने के लिए करते हैं कि क्या कंपनी वर्तमान में मज़दूरी में बढ़ोत्तरी वहन कर सकती है या नहीं या फिर उत्पादकता बढ़ाकर तथा कीमत ऊँची करके बढ़ी हुई मज़दूरी को समाहित कर सकती है या नहीं।

(vii) *अन्य*– अर्थशास्त्री, अनुसंधानकर्ता आदि वित्तीय विवरणों का विश्लेषण वर्तमान व्यवसाय तथा आर्थिक स्थितियों के बारे में अध्ययन करने के लिए करते हैं। सरकारी संस्थाओं को मूल्य नियमन, दर निर्धारण तथा अन्य ऐसे ही उद्देश्यों के लिए विश्लेषण की आवश्यकता होती है।

4.3 वित्तीय विवरणों के विश्लेषण के उद्देश्य

वित्तीय विवरणों के विश्लेषण प्रबंधकीय निष्पादनों एवं फ़र्म की सक्षमता से संबद्ध महत्त्वपूर्ण तथ्यों को प्रकट करते हैं। व्यापक तौर पर विश्लेषण के उद्देश्यों को वित्तीय विवरणों में समाहित फ़र्म की सुदृढ़ता एवं कमज़ोरियों की दृष्टि से सूचनाओं को जानने में तथा फ़र्म के भविष्य की संभावनाओं के पूर्वानुमान को समझने में निहित माना जाता है और इसी कारण विश्लेषकों को फ़र्म के संचालन से संबंधित तथा अतिरिक्त निवेश के निर्णयों को लेने के योग्य बनाया जाता है। विशेष रूप से वित्तीय विश्लेषणों को निम्नलिखित उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अपनाया जाता है–

- कुल मिलाकर फ़र्म की वर्तमान लाभप्रदता एवं संचालन सक्षमता के साथ इसके विभिन्न विभागों को मूल्यांकित किया जाता है। इस तरह से फ़र्म की वित्तीय स्थिति को निर्णीत किया जाता है।
- फ़र्म की वित्तीय स्थितियों के विभिन्न संघटकों के सापेक्षिक महत्त्व को पता करने के लिए।
- फ़र्म की लाभप्रदता/ वित्तीय स्थिति में बदलाव के कारणों को जानने के लिए।
- फ़र्म द्वारा अपने ऋणों की पुनर्भुगतान क्षमता को मापने के लिए तथा फ़र्म की अल्पकालिक तथा दीर्घकालिक द्रवता की स्थिति के मूल्यांकन के लिए।

विभिन्न फ़र्मों के वित्तीय विवरणों के विश्लेषण द्वारा एक अर्थशास्त्री चालू वित्तीय नीतियों में केंद्रित आर्थिक सामर्थ्य और कमियों की सीमा को माप सकता है। वित्तीय विवरणों के विश्लेषण बहुत सारी सरकारी कार्यवाहियों की संबद्धताओं जैसे लाइसेंसिंग, नियंत्रण, मूल्य निर्धारण, व्यापारिक लाभ की सीमा लाभांश स्थिरण, निगम क्षेत्र को कर छूट तथा अन्य रियायतें आदि के लिए आधारशिला होते हैं।

4.4 वित्तीय विवरणों के विश्लेषण की तकनीकें

वित्तीय विवरणों के विश्लेषण की सर्वाधिक प्रयुक्त तकनीकें ये हैं–

(i) *तुलनात्मक विवरण*– ये वे विवरण हैं जो दो अथवा अधिक समयावधियों में एक फ़र्म की लाभप्रदता एवं वित्तीय स्थिति को तुलनात्मक रूप में दर्शाते हैं जिससे कि दो या अधिक समयावधियों में फ़र्म की स्थिति का पता चलता है। यह सामान्यतः तुलनात्मक रूप से तुलन-पत्र और लाभ व हानि विवरण नामक दो महत्त्वपूर्ण वित्तीय विवरणों पर लागू होता है। वित्तीय आँकड़े केवल तभी तुलनात्मक होते हैं जब समान लेखांकन सिद्धांत का प्रयोग इनके निर्माण में किया जाता है। यदि ऐसा नहीं है तो लेखांकन सिद्धांतों से व्यतिक्रम को पादटिप्पणी के रूप में दर्शाया जाना चाहिए। तुलनात्मक आँकड़े वित्तीय स्थिति और प्रचालन परिणामों की प्रवृत्ति और दिशा को इंगित करते हैं। इस विश्लेषण को 'क्षैतिज विश्लेषण' के नाम से भी जाना जाता है।

(ii) *समरूप/सामान्य आकार विवरण*– यह विवरण कुछ सामान्य मदों के साथ एक वित्तीय विवरण के विभिन्न मदों के बीच संबंध का संकेत देते हैं जिसमें सामान्य मद के प्रत्येक मद को प्रतिशत के रूप में व्यक्त करता है। इस प्रकार से परिकलित प्रतिशत को अन्य फ़र्मों के तदनुरूप प्रतिशत के साथ आसानी से तुलना की जा सकती है जैसा कि ये संख्याएँ सामान्य आधार अर्थात प्रतिशत से लाई जाती हैं। इस प्रकार के विवरण एक विश्लेषक को एक ही उद्योग की भिन्न आकार की दो कंपनियों की संचालन एवं वित्तीय विशिष्टताओं की तुलना करने की अनुमति देते हैं। सामान्य आकार के विवरण फ़र्म के विभिन्न वर्षों के बीच आंतरिक तुलना और साथ ही साथ उसी वर्ष या अनेक वर्षों के लिए अंतर फ़र्म की तुलना, दोनों ही, के लिए उपयोगी होते हैं। इस विश्लेषण को 'अनुलंब विश्लेषणों' के नाम से भी जाना जाता है।

(iii) *प्रवृत्ति विश्लेषण*– यह कई वर्षों की एक शृंखला के प्रचालन परिणामों एवं वित्तीय स्थिति के अध्ययन की एक तकनीक है। एक व्यावसायिक उद्योग/उद्यम के पिछले वर्षों के आँकड़ों का उपयोग करते हुए, प्रवृत्ति का विश्लेषण चयनित आँकड़ों में एक अवधि के दौरान आए बदलावों का अवलोकन करके किया जा सकता है। प्रवृत्ति प्रतिशत एक प्रतिशत संबंध है जिसमें भिन्न वर्षों की प्रत्येक मद को आधार वर्ष की उसी समान मद की तरह ही वहन करता है। प्रवृत्ति विश्लेषण इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें दीर्घकालिक दृष्टिकोण होता है, अतः यह व्यवसाय की प्रकृति के आधारभूत बदलाव के बिंदु को इंगित करता है। एक विशिष्ट अनुपात में एक प्रवृत्ति को देखकर, कोई व्यक्ति यह जान सकता है कि अनुपात गिर रहा है या बढ़ रहा है या लगातार सापेक्षिक तौर पर स्थिर है। इस अवलोकन से, समस्या का पता लगाया जा सकता है या अच्छे या बुरे प्रबंधन के संकेत देखे जा सकते हैं।

(iv) *अनुपात विश्लेषण*– यह महत्त्वपूर्ण संबंधों का वर्णन करता है जोकि एक फ़र्म के तुलन-पत्र में, लाभ व हानि विवरण में विद्यमान होते हैं। वित्तीय विश्लेषण की तकनीक के रूप में लेखांकन अनुपात आय एवं तुलन-पत्र की व्यक्तिगत मदों के बीच तुलनात्मक महत्त्व को मापते हैं। यह भी संभव है कि अनुपात विश्लेषण की तकनीक से एक उद्यम की लाभप्रदता, ऋण शोधन क्षमता तथा सक्षमता को मूल्यांकित किया जा सकता है।

(v) *रोकड़ प्रवाह विश्लेषण*– यह किसी संस्थान के रोकड़ के वास्तविक अंतर्वाह एवं बाहिर्वाह को दर्शाता है। "एक व्यवसाय में आवक रोकड़ के बहाव को रोकड़ अंतर्वाह या धनात्मक रोकड़ प्रवाह तथा फ़र्म से बाहर जाने वाले रोकड़ के बहाव को रोकड़ बाहिर्वाह अथवा ऋणात्मक रोकड़ प्रवाह कहते हैं।" रोकड़ के अंतर्वाह एवं बाहिर्वाह के बीच का अंतर निवल रोकड़ प्रवाह है। रोकड़ प्रवाह विवरण यह दर्शाते हुए इस प्रकार से तैयार किया जाता है जिसमें प्राप्त रोकड़ एक लेखांकन वर्ष के दौरान उपयोग की जाती है। जो रोकड़ प्राप्ति के स्रोतों को दर्शाता जाता है और इसके साथ ही वह उद्देश्य भी जिसमें रोकड़ भुगतान किया गया है। अतः यह एक उद्यम की रोकड़ स्थिति के बदलावों के लिए दो तुलन-पत्र की तिथियों के बीच (रोकड़ स्थिति) के कारणों को संक्षेपीकृत करता है।

इस अध्याय में हम प्रथम तीन तकनीकों का अध्ययन करेंगे क्रमशः तुलनात्मक विवरण, समरूप आकार विवरण और प्रवृत्ति विश्लेषण। अनुपात विश्लेषण और रोकड़ प्रवाह विवरण को विस्तारपूर्वक अध्याय 5 व 6 में बताया गया है।

स्वयं जाँचिए 1

उपयुक्त शब्दों के साथ रिक्त स्थानों को भरें-

1. विश्लेषण का साधारण तात्पर्य .... आँकड़े हैं।
2. प्रतिपादन का तात्पर्य .... आँकड़े हैं।
3. तुलनात्मक विश्लेषण को .... विश्लेषण के नाम से भी जानते हैं।
4. सामान्य आकार के विश्लेषण को .... विश्लेषण के नाम से भी जानते हैं।
5. एक संस्थान/कारोबार में धन की आवक एवं जावक की वास्तविक चाल को .... विश्लेषण भी कहते हैं।

4.5 तुलनात्मक विवरण

जैसा कि पहले बताया गया है, यह विवरण लाभ व हानि विवरण और तुलन-पत्र के निर्माण में वर्तमान और गत वर्ष सहित वर्ष के दौरान हुए परिवर्तन के आँकड़ों को अलग स्तंभ में परिशुद्ध/ निरपेक्ष और सापेक्ष आधार पर प्रस्तुत करता है। परिणामस्वरूप इस विवरण के माध्यम से भिन्न तिथियों पर खाता शेष और विभिन्न समयावधि पर भिन्न-भिन्न प्रचालन गतिविधियों का सारांश ही केवल संभव नहीं है बल्कि इन तिथियों के मध्य वृद्धि अथवा कमी की सीमा का मापन भी संभव है। तुलनात्मक विवरणों में दिए गए आँकड़ों का प्रयोग परिवर्तन की दिशा की पहचान करता है और एक संस्था के निष्पादन सूचकों की प्रवृत्ति को भी इंगित करता है।

तुलनात्मक विवरणों को तैयार करने के लिए निम्नलिखित चरणों का अनुकरण किया जा सकता है–

चरण 1– परिशुद्ध आँकड़ों/संख्याओं को दो समय बिंदुओं पर रुपये में सूचीबद्ध करना (जैसा कि प्रदर्श 4.1 के स्तंभ 2 तथा 3 में दिखाया गया है)।

चरण 2– परिशुद्ध आँकड़ों में, प्रथम वर्ष (स्तंभ 2) को द्वितीय वर्ष (स्तंभ 3) से घटाकर, बदलाव का पता करना तथा अभिवृद्धि को (+) से तथा अधोवृद्धि (कमी) को (–) से संकेतित करना तथा स्तंभ 4 में भरना।

चरण 3– प्रतिशत में आए बदलाव को परिकलित करना और जो परिणाम मिले, उसे पाँचवे स्तंभ में भरना या चढ़ाना है।

$$\frac{\text{परिशुद्ध अभिवृद्धि (+) या अधोवृद्धि (–) (स्तंभ 4)}}{\text{प्रथम वर्ष के (स्तंभ 2) परिशुद्ध आँकड़े/संख्याएँ}} \times 100$$

विवरण	*प्रथम वर्ष*	*द्वितीय वर्ष*	*परिशुद्ध अभिवृद्धि (+) या अधोवृद्धि (–)*	*प्रतिशत अभिवृद्धि (+) या अधोवृद्धि (–)*
स्तंभ 1	2	3	4	5
	रु.	**रु.**	**रु.**	**%**

प्रदर्श 4.1

उदाहरण 1

बी सी आर कं. लिमिटेड के निम्नलिखित लाभ व हानि विवरण को तुलनात्मक लाभ व हानि विवरण में परिवर्तित कीजिए।

विवरण	*नोट संख्या*	*2013-14* (रु.)	*2014-15* (रु.)
(i) प्रचालन से आगम		60,00,000	75,00,000
(ii) अन्य आय		1,50,000	1,20,000
(iii) व्यय		44,00,000	50,60,000
(iv) आयकर		35%	40%

हल

बी सी आर कं लिमिटेड का तुलनात्मक आय विवरण

वर्षान्त 31 मार्च 2014 और 2015 के लिए।

विवरण	*2013-14*	*2014-15*	*परिशुद्ध वृद्धि(+) या कमी (-)*	*प्रतिशत वृद्धि(+) या कमी (-)*
	रु.	रु.	रु.	%
I. प्रचालन से आगम	60,00,000	75,00,000	15,00,000	25.00
II. जोड़ा अन्य आय	1,50,000	1,20,000	(30,000)	(20.00)
III. कुल आगम (I+II)	**61,50,000**	**76,20,000**	**14,70,000**	**23.90**
IV. घटाया– व्यय	44,00,000	50,60,000	6,60,000	15.0
कर से पूर्व लाभ	**17,50,000**	**25,60,000**	**8,10,000**	**46.29**
IV. घटाया– कर	6,12,500	10,24,000	4,11,500	67.18
कर से पश्चात् लाभ	**11,37,500**	**15,36,000**	**3,98,500**	**35.03**

उदाहरण 2

मधु कं. लिमिटेड के निम्नलिखित लाभ व हानि विवरण से वर्ष 2014 से वर्ष 2015 के लिए तुलनात्मक लाभ व हानि विवरण तैयार करें।

विवरण	*नोट संख्या*	*2013-14* (रु.)	*2014-15* (रु.)
प्रचालन से आगम		16,00,000	20,00,000
कर्मचारी हित व्यय		8,00,000	10,00,000
अन्य व्यय		2,00,000	1,00,000
कर दर		40%	40%

हल

मधु कं. लिमिटेड का तुलनात्मक लाभ व हानि विवरण
वर्षान्त 31 मार्च 2014 और 2015 के लिए।

विवरण	*2013-14*	*2014-15*	*परिशुद्ध वृद्धि(+) या कमी (-)*	*प्रतिशत वृद्धि(+) या कमी (-)*
	रु.	रु.	रु.	%
I. प्रचालन से आगम	**16,00,000**	**20,00,000**	**4,00,000**	**25**
II. घटाया– व्यय				
(क) कर्मचारी हित व्यय	8,00,000	10,00,000	2,00,000	25
(ख) अन्य व्यय	2,00,000	1,00,000	(1,00,000)	(50)
कुल व्यय (II)	10,00,000	11,00,000	1,00,000	10
कर से पूर्व लाभ (I-II)	**6,00,000**	**9,00,000**	**3,00,000**	**50**
III. घटाया– कर 40%	2,40,000	3,60,000	1,20,000	50
कर के पश्चात् लाभ	**3,60,000**	**5,40,000**	**1,80,000**	**50**

स्वयं करें

नीचे दी गई जानकारी से, नारंग कलर्स लिमिटेड का मार्च 31, 2014 एवं मार्च 31, 2015 पर वर्ष समाप्ति पर एक तुलनात्मक लाभ एवं हानि विवरण तैयार करें–

विवरण	*नोट संख्या*	*2014-15* रु.	*2013-14* रु.
1. प्रचालन से आगम		40,00,000	35,00,000
2. अन्य आय		50,000	50,000
3. उपभोग की गई सामग्री की लागत		15,00,000	18,00,000
4. तैयार माल के रहतिया में परिवर्तन		10,000	(15,000)
5. कर्मचारी हित		2,40,000	2,40,000
6. ह्रास एवं अपलेखन		25,000	22,500
7. अन्य व्यय		2,66,000	3,02,000
8. लाभ		20,09,000	14,27,300

खातों की टिप्पणी

विवरण	*2014-15* रु.	*2013-14* रु.
1. अन्य व्यय		
(i) ऊर्जा एवं ईंधन	36,000	40,000
(ii) बाहरी ढुलाई	7,500	9,500
(iii) अनुज्ञाप्ति शुल्क	2,500	2,500
(iv) विक्रय एवं वितरण व्यय	1,70,000	1,90,000
(v) कर के लिए प्रावधान	50,000	60,000
	2,66,000	**3,02,000**

उदाहरण 3

31 मार्च 2014 व 2015 को समाप्त वर्ष के अंत में जे लि. का तुलन-पत्र निम्नानुसार है। कंपनी के लिए तुलनात्मक तुलन-पत्र बनाइए।

तुलन-पत्र

विवरण	*नोट संख्या*	*31 मार्च 2015 रु.*	*31 मार्च 2014 रु.*
I. समता एवं देयताएँ			
(i) अंशधारक निधि			
(क) अंश पूँजी		20,00,000	15,00,000
(ख) आरक्षित एवं अधिशेष		3,00,000	4,00,000
(ii) गैर-चालू देयताएँ			
(क) दीर्घ कालीन ऋण		9,00,000	6,00,000
(iii) चालू देयताएँ			
(क) व्यापारिक देय		3,00,000	2,00,000
योग		**35,00,000**	**27,00,000**
II. परिसंपत्तियाँ			
(i) गैर-चालू परिसंपत्तियाँ			
(क) स्थायी परिसंपत्तियाँ			
- मूर्त परिसंपत्तियाँ		20,00,000	15,00,000
- अमूर्त परिसंपत्तियाँ		9,00,000	6,00,000
(ii) चालू परिसंपत्तियाँ			
- रहतिया		3,00,000	4,00,000
- रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक		3,00,000	2,00,000
योग		**35,00,000**	**27,00,000**

हल

वर्षान्त 31 मार्च 2014 एवं 31 मार्च 2015 को
जे. लिमिटेड का तुलनात्मक तुलन-पत्र

(रु. लाखों में)

विवरण	*मार्च 31, 2014*	*मार्च 31, 2015*	*परिशुद्ध वृद्धि या कमी*	*प्रतिशत वृद्धि या कमी*
I. समता एवं देयताएँ				
(i) अंशधारक निधि				
(क) अंश पूँजी	15	20	05	33.33
(ख) अधिशेष एवं आधिक्य	04	03	(01)	(25)

(ii) गैर-चालू देयताएँ				
(क) दीर्घकालीन ऋण	06	09	03	50
(iii) चालू दायित्व				
(क) व्यापारिक देय	02	03	01	50
	27	**35**	**08**	**29.63**
II. परिसंपत्तियाँ				
(i) गैर-चालू परिसंपत्तियाँ				
(क) स्थायी परिसंपत्तियाँ				
- मूर्त परिसंपत्तियाँ	15	20	05	33.33
- अमूर्त परिसंपत्तियाँ	06	09	03	50
(ख) चालू परिसंपत्तियाँ				
- रहतिया	04	03	(01)	(25)
- रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक	02	03	01	50
	27	**35**	**08**	**29.63**

उदाहरण 4

31 मार्च 2014 व 2015 को समाप्त वर्ष के लिए अमृत लि. का तुलन-पत्र निम्नानुसार है। कंपनी के लिए तुलनात्मक तुलन-पत्र बनाइए।

तुलन-पत्र

विवरण	*नोट संख्या*	*31 मार्च 2015 रु.*	*31 मार्च 2014 रु.*
I. समता एवं देयताएँ			
(i) अंशधारक निधि			
(क) अंश पूँजी		20,00,000	15,00,000
(ख) आरक्षित एवं अधिशेष		13,00,000	14,00,000
(ii) गैर-चालू देयताएँ			
(क) दीर्घ कालीन ऋण		19,00,000	16,00,000
(ii) चालू देयताएँ			
(क) व्यापारिक देय		3,00,000	2,00,000
योग		**55,00,000**	**47,00,000**
II. परिसंपत्तियाँ			
(i) गैर-चालू परिसंपत्तियाँ			
(क) स्थायी परिसंपत्तियाँ			
- मूर्त परिसंपत्तियाँ		20,00,000	15,00,000
- अमूर्त परिसंपत्तियाँ		19,00,000	16,00,000
(ख) चालू परिसंपत्तियाँ			
- रहतिया		13,00,000	14,00,000
- रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक		3,00,000	2,00,000
(ii) चालू परिसंपत्तियाँ			
योग		**55,00,000**	**47,00,000**

हल

वर्षान्त 31 मार्च 2014 एवं 31 मार्च 2015 को
अमृत लिमिटेड का तुलनात्मक तुलन-पत्र

(रु. लाखों में)

विवरण	*मार्च 31, 2014*	*मार्च 31, 2015*	*परिशुद्ध वृद्धि या कमी*	*प्रतिशत वृद्धि या कमी*
I. समता एवं देयताएँ				
(i) अंशधारक निधि				
(क) अंश पूँजी	15	20	05	33.33
(ख) आरक्षित एवं अधिशेष	14	13	(01)	(7.14)
(ii) गैर चालू देयताएँ				
(क) दीर्घकालीन ऋण	16	19	03	18.75
(iii) चालू दायित्व				
(क) व्यापारिक देय	02	03	01	50
योग	**47**	**55**	**08**	**17.02**
II. परिसंपत्तियाँ				
(i) गैर चालू परिसंपत्तियाँ				
(क) स्थायी परिसंपत्तियाँ				
- मूर्त परिसंपत्तियाँ	15	20	05	33.33
- अमूर्त परिसंपत्तियाँ	16	19	03	18.75
(ख) चालू परिसंपत्तियाँ				
- रहतिया	14	13	(01)	(7.14)
- रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक	02	03	01	50
योग	**47**	**55**	**08**	**17.02**

स्वयं करें

31 मार्च 2014 व 2015 को समाप्त वर्ष के लिए तुलन-पत्र से ओमेगा केमिकल लिमिटेड का तुलनात्मक तुलन-पत्र बनाइए। रु. लाखों मे

विवरण	*नोट संख्या*	*2015 रु.*	*2014 रु.*
I. समता एवं देयताएँ			
(i) अंशधारक निधि			
(क) अंश पूँजी		05	10
(ख) आरक्षित एवं अधिशेष		03	02
(ii) गैर-चालू देयताएँ			
(क) दीर्घ कालीन ऋण		05	08
(iii) चालू देयताएँ			
(क) व्यापारिक देय		02	04
योग		**15**	**24**

II. परिसंपत्तियाँ			
(i) गैर-चालू परिसंपत्तियाँ			
(क) स्थायी परिसंपत्तियाँ			
- मूर्त परिसंपत्तियाँ		14	08
- अमूर्त परिसंपत्तियाँ		03	02
(ख) चालू परिसंपत्तियाँ			
- रहतिया		05	04
- रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक		02	01
(ii) चालू परिसंपत्तियाँ			
योग		**24**	**15**

4.6 समरूप विवरण

समरूप विवरण को संघटक प्रतिशत विवरण के नाम से भी जानते हैं। यह एक कंपनी के वित्तीय परिणामों एवं वित्तीय स्थिति की प्रवृत्ति एवं बदलाव जानने का साधन या उपकरण है। यहाँ पर विवरण में दिए गए प्रत्येक मद को कुल राशि के प्रतिशत के रूप में दर्शाते हैं जोकि उस प्रतिशत का ही एक हिस्सा होता है। उदाहरण के लिए समरूप तुलन-पत्र में प्रत्येक परिसंपत्ति को कुल परिसंपत्तियों के प्रतिशत में तथा प्रत्येक दायित्व को कुल दायित्वों के प्रतिशत के रूप मे दर्शाता है। इसी प्रकार समरूप लाभ व हानि विवरण में, खर्च मदों को निवल प्रचालन द्वारा आगम के प्रतिशत के रूप में दर्शाया जाता है। यदि ऐसा विवरण आनुक्रमिक अवधि के लिए तैयार किया जाता है, यह एक समयावधि के दौरान हुए क्रमशः प्रतिशत परिवर्तनों को दर्शाता है।

उद्यमों की तुलना के लिए समरूप वित्तीय विश्लेषणों के असीमित उपयोग होते हैं, जोकि मूलतः आकार में भिन्न होते हैं जो वित्तीय विवरण की संरचना को एक अंर्तदृष्टि प्रदान करते हैं। कुल मिलाकर अंतर-फ़र्म तुलना या संबंधित उद्योग वाली कंपनी की स्थिति की तुलना भी समरूप विवरण विश्लेषण की सहायता से ही संभव है।

सामान्य आकार व विश्लेषण को तैयार करने के लिए निम्न प्रक्रम अपनाया जा सकता है।

1. परिशुद्ध संख्याओं (आँकड़ों) को दो समय बिंदुओं जैसे कि वर्ष 1 और वर्ष 2 (प्रदर्श 4.2 में स्तंभ 2 एवं 4), पर सूचीबद्ध करें।
2. एक सामान्य आधार (जैसे कि 100) को चुनें। उदाहरणार्थ लाभ व हानि विवरण के मामले में प्रचालन से आगम को आधार (100) के रूप में और तुलन-पत्र के मामले में कुल परिसंपत्तियों अथवा कुल देनदारियों (=100) के रूप में आधार ले सकते हैं।
3. स्तंभ 2 एवं 3 की सभी मदों को कुल योग के प्रतिशत के रूप में बदलें। प्रदर्श 4.2 में, स्तंभ 4 और 5 इन प्रतिशतों को चिह्नित किया गया है।

सामान्य आकार विवरण

विवरण	वर्ष एक	वर्ष दो	प्रतिशत	प्रतिशत
स्तंभ 1	2	3	4	5

प्रदर्श 4.2

उदाहरण 5

नीचे दी गई सूचनाओं से, वर्ष समाप्ति 31 मार्च 2013 और 2014 के लिए समरूप आय विवरण तैयार कीजिए।

विवरण	*2014–15* रु.	*2013–14* रु.
निवल विक्रय	18,00,000	25,00,000
बेचे गए माल की लागत	10,00,000	12,00,000
प्रचालन व्यय	80,000	1,20,000
गैर–प्रचालन व्यय	12,000	15,000
ह्रास	20,000	40,000
मज़दूरी	10,000	20,000

हल

वर्षान्त 31 मार्च 2014 तथा 31 मार्च 2015 पर समरूप लाभ एवं हानि विवरण।

विवरण	*परिशुद्ध राशियाँ*		*निवल विक्रय का प्रतिशत*	
	2013-14	2014-15	2013-14 %	2014-15 %
शुद्ध विक्रय	25,00,000	18,00,000	100	100
(घटाया)– बेचे गए माल की लागत*	12,00,000	10,00,000	48	55.56
सकल लाभ	**13,00,000**	**8,00,000**	**52**	**44.44**
(घटाया)– प्रचालन व्यय**	1,20,000	80,000	4.80	4.44
प्रचालन आय	**11,80,000**	**7,20,000**	**47.20**	**40**
(घटाया)– गैर प्रचालन व्यय	(15,000)	(12,000)	0.60	0.67
लाभ	**1,20,000**	**7,08,000**	**46.60**	**39.33**

* मज़दूरी, बेचे गए माल की लागत का भाग है।

** ह्रास, प्रचालन व्यय का भाग है।

उदाहरण 6

नीचे दी गई सूचनाओं से, वर्ष समाप्ति 31 मार्च 2014 और 31 मार्च 2015 के लिए समरूप लाभ एव हानि विवरण तैयार कीजिए।

विवरण	*2013-14* रु.	*2014-15* रु.
प्रचालन से आगम	25,00,000	20,00,000
अन्य आय	3,25,000	2,50,000
कर्मचारी हित व्यय	8,25,000	4,50,000
अन्य व्यय	2,00,000	1,00,000
आयकर (% कर से पूर्व लाभ)	30%	20%

हल

वर्षान्त 31 मार्च 2013 तथा 31 मार्च 2014 को समरूप लाभ एवं हानि विवरण।

विवरण	*परिशुद्ध राशियाँ*		*निवल विक्रय का प्रतिशत*	
	2013-14 रु.	2014-15 रु.	2013-14 %	2014-154 %
प्रचालन से आगम	25,00,000	20,00,000	100	100
(जोड़ा)– अन्य आय	3,25,000	2,50,000	13	12.5
कुल आगम	28,25,000	22,50,000	113	112.5
(घटाया) व्यय–				
(क) कर्मचारी हित व्यय	(8,25,000)	(4,50,000)	33	22.5
(ख) अन्य व्यय	(2,00,000)	(1,00,000)	8	5
कर से पूर्व लाभ	**18,00,000**	**17,00,000**	**72**	**85**
(घटाया)– कर	(5,40,000)	(3,40,000)	21.6	17
कर के पश्चात्	12,60,000	13,60,000	50.4	68

उदाहरण 7

निम्नलिखित सूचना से एक्स.आर.आई. लिमिटेड समरूप तुलन-पत्र तैयार कीजिए–

तुलन-पत्र

विवरण	*नोट संख्या*	*31 मार्च, 2014 रु.*	*31 मार्च, 2015 रु.*
I. समता एवं देयताएँ			
(i) अंशधारक निधि			
(क) अंश पूँजी		15,00,000	12,00,000
(ख) आरक्षित एवं अधिशेष		5,00,000	5,00,000

(ii) गैर-चालू देयताएँ			
(क) दीर्घ कालीन ऋण		6,00,000	5,00,000
(iii) चालू देयताएँ			
(क) व्यापारिक देय		15,50,000	10,50,000
योग		**41,50,000**	**32,50,000**
II. परिसंपत्तियाँ			
(i) गैर-चालू परिसंपत्तियाँ			
(क) स्थायी परिसंपत्तियाँ			
- मूर्त परिसंपत्तियाँ			
सयंत्र एवं मशीनरी		14,00,000	8,00,000
- अमूर्त परिसंपत्तियाँ			
ख्याति		16,00,000	12,00,000
(ख) गैर चालू निवेश		10,00,000	10,00,000
(ii) चालू परिसंपत्तियाँ			
- रहतिया		1,50,000	2,50,000
योग		**41,50,000**	**32,50,000**

हल

वर्षान्त 31 मार्च 2014 तथा 31 मार्च 2015 पर समरूप लाभ एवं हानि विवरण।

तुलन-पत्र

विवरण	*परिशुद्ध राशियाँ*		*कुल परिसंपत्तियों का प्रतिशित*	
	31.03.2014	31.03.2015	31.03.2014	31.03.2015
	रु.	रु.		
I. समता एवं देयताएँ				
(i) अंशधारक निधि				
(क) अंश पूँजी	15,00,000	12,00,000	36.14	36.93
(ख) आरक्षित एवं अधिशेष	5,00,000	5,00,000	12.05	15.38
(ii) गैर-चालू देयताएँ				
(क) दीर्घकालीन ऋण	6,00,000	5,00,000	14.46	15.38
(iii) चालू दायित्व				
(क) व्यापारिक देय	15,50,000	10,50,000	37.35	32.31
योग	**41,50,000**	**32,50,000**	**100**	**100**

II. परिसंपत्तियाँ				
(i) गैर-चालू परिसंपत्तियाँ				
(क) स्थायी परिसंपत्तियाँ				
- मूर्त परिसंपत्तियाँ				
संयत्र एव मशीनरी	14,00,000	8,00,000	33.73	24.62
- अमूर्त परिसंपत्तियाँ				
ख्याति	16,00,000	12,00,000	38.55	36.92
(ii) गैर-चालू निवेश	10,00,000	10,00,000	24.10	30.77
(क) चालू परिसंपत्तियाँ				
- रहतिया	1,50,000	2,50,000	3.62	7.69
योग	**41,50,000**	**32,50,000**	**100**	**100**

स्वयं करें

निम्नलिखित सूचना से, वर्षान्त मार्च 31, 2014 व 2015 पर राज कंपनी लिमिटेड का तुलनात्मक तुलन-पत्र बनाइए।

विवरण	*नोट संख्या*	*2015 रु.*	*2014 रु.*
I. समता एवं देयताएँ			
(i)अंशधारक निधि			
(क) अंश पूँजी		20,00,000	15,00,000
(ख) आरक्षित एवं अधिशेष		3,00,000	4,00,000
(ii) गैर-चालू देयताएँ			
(क) दीर्घ कालीन ऋण		9,00,000	6,00,000
(iii) चालू दायित्व			
(क) व्यापारिक देय		3,00,000	2,00,000
योग		**35,00,00**	**27,00,000**
II. परिसंपत्तियाँ			
(i) गैर-चालू परिसंपत्तियाँ			
(क) स्थायी परिसंपत्तियाँ			
- मूर्त परिसंपत्तियाँ		20,00,000	15,00,000
- अमूर्त परिसंपत्तियाँ		9,00,000	6,00,000
(ख) चालू परिसंपत्तियाँ			
- रहतिया		3,00,000	4,00,000
- रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक		3,00,000	2,00,000
योग		**35,00,000**	**27,00,000**

स्वयं जाँचिए-2

सही उत्तर का चुनाव करें–

1. एक व्यावसायिक उद्यम के वित्तीय विवरण में सम्मिलित होते हैं–
   (अ) तुलन-पत्र
   (ब) लाभ व हानि विवरण
   (स) रोकड़ प्रवाह विवरण
   (द) उपरोक्त सभी
2. वित्तीय विश्लेषण हेतु प्रयोग में आने वाले सामान्य साधन हैं–
   (अ) क्षैतिज विश्लेषण
   (ब) लम्बवत् विश्लेषण
   (स) अनुपात विश्लेषण
   (द) उपरोक्त सभी
3. कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट को निर्गमित किया जाता है–
   (अ) संचालकों के लिए
   (ब) अंकेक्षकों के लिए
   (स) अंशधारकों के लिए
   (द) प्रबंध के लिए
4. तुलन-पत्र उद्यम की वित्तीय स्थिति संबंधी सूचनाएँ प्रस्तुत करता है–
   (अ) दी गई विशेष अवधि पर
   (ब) विशेष अवधि के दौरान
   (स) विशेष अवधि के लिए
   (द) उपरोक्त में से कोई नहीं
5. तुलनात्मक विवरणों को यह भी कहते हैं–
   (अ) क्रियाशील विश्लेषण
   (ब) क्षैतिज विश्लेषण
   (स) लम्बवत् विश्लेषण
   (द) बाहय विश्लेषण

4.7 प्रवृत्ति विश्लेषण

सूचना की शृंखला की प्रवृत्तियों के परिकलन द्वारा वित्तीय विवरणों को विश्लेषित किया जा सकता है। प्रवृत्ति विश्लेषण अधोगामी या ऊर्ध्वगामी दिशा को निर्धारित करते हैं तथा इसमें प्रतिशत संबंधी परिगणना सम्मिलित होती है जिसमें प्रत्येक मद उसी मद के आधार वर्ष को धारण करता है। यदि तुलनात्मक विश्लेषण का मामला है तो एक मद को स्वत: ही पूर्व वर्ष से तुलना करके यह जाना जाता है कि क्या उसमें अभिवृद्धि हुई है या कमी आई है या उसी जगह पर अभी भी स्थित है। यदि समरूप विश्लेषण का मामला है तो एक मद

(मान लो, प्रचालन से आगम की लागत) को अवलोकित करके यह जाना जाता है कि क्या सामान्य आधार (प्रचालन से आगम) में उसका अनुपात बढ़ा है या घटा है। लेकिन प्रवृत्ति विश्लेषण के मामले में हम उसी मद के आचरण को एक समयावधि के दौरान चुनना चाहते हैं जैसे कि पिछले पाँच वर्षों के दौरान उदाहरण के लिए, प्रशासकीय व्यय, क्या वे अभिवृद्धि की प्रवृत्ति दर्शाते हैं या फिर कमी की प्रवृत्ति या निरंतर एक अवधि के दौरान तुलनात्मक रूप से स्थिरता दर्शाते हैं। सामान्यत: प्रवृत्ति विश्लेषण एक युक्तिसंगत दीर्घ अवधि के लिए किया जाता है। कई कंपनियाँ इन वित्तीय आँकड़ों को 5-10 वर्ष की समयावधि के लिए वार्षिक प्रतिवेदनों में विभिन्न प्रारूपों में प्रस्तुत करती हैं।

4.7.1 प्रवृत्ति प्रतिशत परिकलन के लिए प्रक्रिया

'एक वर्ष को आधार वर्ष के रूप में लिया जाता है।' सामान्यत: प्रथम वर्ष या अंतिम वर्ष को आधार वर्ष के रूप में लेते हैं। आधार वर्ष के आँकड़ो को 100 माना जाता है। प्रतिशत की प्रवृत्ति को इसी आधार वर्ष के सापेक्ष परिकलित किया जाता है। यदि आधार वर्ष से दूसरे वर्ष की संख्याएँ/आँकड़ें कम होते हैं तो प्रवृत्ति प्रतिशत 100 से कम होगा और यदि आधार वर्ष से संख्या अधिक होती है तो यह संख्या 100 से अधिक होगी। प्रत्येक वर्ष की संख्याओं को आधार वर्ष की संख्याओं से विभाजित किया जाता है-

$$\text{प्रवृत्ति प्रतिशत} = \frac{\text{वर्तमान वर्ष मूल्य}}{\text{आधार वर्ष मूल्य}} \times 100$$

आँकड़ों के संकलन और वित्तीय विवरणों को तैयार करते समय लेखांकन प्रक्रियाएँ और अवधारणाओं में एकरूपता होनी चाहिए; अन्यथा आँकड़े तुलन योग्य नहीं होंगे।

उदाहरण 8

एक्स लिमिटेड के लिए 2010 के आधार वर्ष मानते हुए निम्नलिखित बिक्री, स्टॉक तथा लाभ की संख्याओं (आँकड़ों) से प्रवृत्ति प्रतिशत का परिकलन कीजिए और उन्हें प्रतिपादित भी कीजिए।

(रु. लाखों में)

वर्ष	*बिक्री (रु.)*	*स्टॉक (रु.)*	*लाभ (कर से पूर्व) (रु.)*
2010	1,881	709	321
2011	2,340	781	435
2012	2,655	816	458
2013	3,021	944	527
2014	3,768	1,154	627

हल

प्रवृति प्रतिशत (आधार वर्ष 2010 =100)

(रु. लाखों में)

वर्ष	*बिक्री (रु.)*	*प्रवृत्ति %*	*स्टॉक (रु.)*	*प्रवृत्ति %*	*लाभ (रु.)*	*प्रवृत्ति %*
2010	1,881	100	709	100	321	100
2011	2,340	124	781	110	435	136
2012	2,655	141	816	115	458	143
2013	3,021	161	944	133	527	164
2014	3,768	200	1,154	163	627	195

निर्वचन–

1. विक्रय लगातार वर्षों में 2014 तक अभिवृद्धि करती गई 2010 में 100 तुलना में वर्ष 2014 का प्रतिशत 200 है जो कि दो गुना है। विक्रय में अभिवृद्धि प्रर्याप्त संतोषजनक है।
2. 5 वर्षों की अवधि में स्टॉक में भी अभिवृद्धि हुई है। पहले के वर्षों की अपेक्षा वर्ष 2013 व 2014 में स्टॉक की अधिक अभिवृद्धि हुई है।
3. लाभ में तत्वत: अभिवृद्धि हुई है। लाभ वस्तुत: बिक्री के हिसाब में बढ़ा है जो यह प्रकट करता है कि यहाँ पर बेचे गये माल की लागत पर उचित नियंत्रण रहा है।

स्वयं करें

निम्नलिखित आँकड़े दीपक लिमिटेड के लाभ व हानि विवरण से उपलब्ध हुए हैं–

विवरण	*2010 (रु.)*	*2011 (रु.)*	*2012 (रु.)*	*2013 (रु.)*
प्रचालन से आगम	3,10,000	3,27,500	3,20,000	3,32,500
मज़दूरी	1,07,500	1,07,500	1,15,000	1,20,000
विक्रय व्यय	27,250	29,000	29,750	27,750
सकल लाभ	90,000	95,000	77,500	80,000

आप विभिन्न मदों के प्रवृत्ति प्रतिशत दर्शाएँ।

उदाहरण 9

31 मार्च 2011 से 31 मार्च 2014 की अवधि के निम्नलिखित आँकड़े ए.बी.सी. लिमिटेड के तुलन-पत्र से परिसंपत्ति से संबंधित हैं। प्रवृत्ति प्रतिशत परिकलित करें।

(रु. लाख में)

विवरण	*2010-11*	*2011-12*	*2012-13*	*2013-14*
रोकड़	100	120	80	140
व्यापारिक प्राप्य	200	250	325	400
स्टॉक	300	400	350	500
अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	50	75	125	150
भूमि	400	500	500	500
भवन	800	1,000	1,200	1,500
संयंत्र	1,000	1,000	1,200	1,500

हल

प्रवृत्ति प्रतिशत

(रु. लाखों में)

	2010-11	प्रवृत्ति %	2011-12	प्रवृत्ति %	2012-13	प्रवृत्ति %	2013-14	प्रवृत्ति %
चालू परिसंपत्तियाँ								
रोकड़	100	100	120	120	80	80	140	140
व्यापारिक प्राप्य	200	100	250	125	325	162.5	400	200
स्टॉक	300	100	400	133.33	350	116.67	500	166.67
अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	50	100	75	150	125	250	150	300
	650	**100**	**845**	**130**	**880**	**135.88**	**1,190**	**183.08**
गैर-चालू परिसंपत्तियाँ								
भूमि	400	100	500	125	500	125	500	125
भवन	800	100	1,000	125	1,200	150	1,500	187.5
संयंत्र	1,000	100	1,000	100	1,200	120	1,500	150
	2,200	**100**	**2,500**	**113.64**	**2,900**	**131.82**	**3,500**	**15,900**
कुल परिसंपत्तियाँ	**2,850**	**100**	**3,345**	**117.36**	**3,780**	**132.63**	**4,690**	**164.56**

निर्वचन–

1. परिसंपत्तियाँ एक अवधि में प्रवृत्ति प्रतिशत में एक निरंतर अभिवृद्धि को दर्शाती हैं।
2. गैर-चालू परिसंपत्तियों की तुलना में चालू परिसंपत्तियों में काफ़ी तीव्र अभिवृद्धि प्रदर्शित हो रही है।
3. विविध देनदारों, अन्य चालू परिसंपत्तियों तथा भवन में उच्चतर वृद्धि प्रकट होती है।

उदाहरण 10

निम्नलिखित आँकड़े 31 मार्च 2010 से 31 मार्च 2013 की अवधि के लिए एक्स लिमिटेड के तुलन–पत्र के समता एवं देयताओं से संबंधित है। 2010 को आधार वर्ष मानते हुए प्रवृत्ति प्रतिशत को परिकलित कीजिए।

(रु. लाखों में)

विवरण	*2009-10*	*2010-11*	*2011-12*	*2012-13*
समता अंश पूँजी	1,000	1,000	1,200	1,500
सामान्य आरक्षित	800	1,000	1,200	1,500
12% ऋण पत्र	400	500	500	500
बैंक अधिविकर्ष	300	400	550	500
व्यापारिक देय	100	120	80	140
विविध देनदार	300	400	500	600
बकाया दायित्व	50	75	125	150

हल

प्रवृत्ति प्रतिशत (रु. लाखों में)

समता एवं देयताएँ	*2009-10*	*प्रवृत्ति %*	*2010-11*	*प्रवृत्ति %*	*2011-12*	*प्रवृत्ति %*	*2012-13*	*प्रवृत्ति %*
अंश धारक फंड								
समता अंश पूँजी	1,000	100	1,000	100	1,200	120	1,500	150
सामान्य आरक्षित	800	100	1,000	125	1,200	150	1,500	1,875
	1,800	**100**	**2,000**	**111.11**	**2,400**	**133.33**	**3,000**	**166.67**
दीर्घकालिक ऋण								
ऋण पत्र	400	100	500	125	500	125	500	125
	400	**100**	**500**	**125**	**500**	**125**	**500**	**125**
चालू देनदारियाँ								
बैंक अधिविकर्ष	300	100	400	133.33	550	183.33	500	166.67
देय विपत्र	100	100	120	120	80	80	140	140
विविध लेनदार	300	100	400	133.33	500	166.67	600	200
बकाया दायित्व	50	100	75	150	125	250	150	30
	750	**100**	**995**	**132.67**	**1,255**	**167.33**	**1,390**	**185.33**
योग	**2,950**	**100**	**3,495**	**118.47**	**4,155**	**140.85**	**4,890**	**165.76**

निर्वचन–

1. एक अवधि के बाद अंशधारक निधि में अभिवृद्धि हुई क्योंकि व्यवसाय में आरक्षित के रूप में लाभ को प्रतिधारित बनाए रखा गया। अंश पूँजी में भी अभिवृद्धि हुई, जो शायद नए अंश या बोनस अंश के निर्गमन के कारण हो सकती है।
2. चालू परिसंपत्तियों में अभिवृद्धि दीर्घकालिक दायित्व की अपेक्षा अधिक हुई है। यह व्यवसाय के विस्तार और/अथवा अधिक साख संबंधी क्रियाओं की उपलब्धता के कारण हो सकता है।

स्वयं जाँचिए 3

सत्य अथवा असत्य बताएँ–

1. व्यावसायिक उद्यम के वित्तीय विवरणों में रोकड़ प्रवाह विवरण सम्मिलित हैं।
2. तुलनात्मक विवरण क्षैतिज विश्लेषण का एक रूप है।
3. समरूप विवरण और वित्तीय अनुपात लम्बवत विश्लेषण में प्रयोग में आने वाली दो तकनीक हैं।
4. अनुपात विशलेषण दो वित्तीय विवरणों में मध्य संबंध स्थापित करता है।
5. अनुपात विश्लेषण किसी उद्यम के वित्तीय विवरणों के विश्लेषण हेतु एक तकनीक है।
6. वित्तीय विश्लेषण केवल लेनदारों द्वारा प्रयोग में लाए जाते हैं।
7. लाभ व हानि विवरण एक विशेष अवधि के लिए उद्यम के प्रचालन निष्पादन को दर्शाता है।
8. वित्तीय विश्लेषण, विश्लेषक को उपयुक्त निर्णय लेने में सहायक है।
9. रोकड़ प्रवाह विवरण वित्तीय विवरण विश्लेषण की एक तकनीक है।
10. समरूप विवरण के प्रत्येक मद को समान आधार पर प्रतिशत में दर्शाता है।

4.8 वित्तीय विश्लेषणों की सीमाएँ

हालाँकि, एक फ़र्म की वित्तीय सुदृढ़ता एवं कमज़ोरियों को निर्धारित करने के लिए वित्तीय विश्लेषण पर्याप्त सशक्त होते हैं, परन्तु ये विश्लेषण वित्तीय विवरणों से प्राप्त सूचनाओं पर आधारित होते हैं। इसी प्रकार से, वित्तीय विवरण विश्लेषण भी वित्तीय विवरणों की सीमाओं से प्रभावित होते हैं। अतैव, वित्तीय विश्लेषणों को निश्चित रूप से मूल्य स्तर में बदलावों, फ़र्म की लेखांकन नीति के बदलावों, लेखांकन अवधारणा तथा परंपराओं एवं वैयक्तिक निर्णयों आदि के प्रभाव के बारे में सावधानी पूर्ण रहना चाहिए। वित्तीय विश्लेषणों की कुछ अन्य सीमाएँ ये भी हैं–

1. वित्तीय विश्लेषण मूल्य स्तरीय बदलावों पर ध्यान नहीं देते हैं।
2. वित्तीय विश्लेषण एक फ़र्म के खाते के लिए भ्रमात्मक भी हो सकते हैं अगर फ़र्म ने लेखांकन प्रक्रिया में बदलाव को अपना लिया है।
3. वित्तीय विश्लेषण कंपनी की रिपोर्ट का केवल अध्ययन है।
4. वित्तीय विश्लेषण में केवल आर्थिक पहलू पर ही ध्यान दिया जाता है। जबकि गैर–आर्थिक पहलुओं को उपेक्षित किया जाता है।
5. वित्तीय विश्लेषणों को फ़र्म की लेखांकन अवधारणाओं के आधार पर तैयार किया जाता है जैसे कि यह बिलकुल वास्तविक वस्तु–स्थिति को नहीं प्रस्तुत करते हैं।

इस अध्याय में प्रयुक्त शब्द

1.	वित्तीय विश्लेषण	2.	समरूप विवरण
3.	तुलनात्मक विवरण	4.	प्रवृति विश्लेषण
5.	अनुपात विश्लेषण	6.	रोकड़ प्रवाह विवरण
7.	अतंरा फ़र्म तुलना	8.	अंर्तफ़र्म तुलना
9.	क्षैतिज विश्लेषण	10.	लंबवत् विश्लेषण

सारांश

वार्षिक रिपोर्ट के प्रमुख भाग– वार्षिक रिपोर्ट में मूल रूप से वित्तीय विवरण शामिल होते हैं, जैसे तुलन-पत्र, लाभ व हानि विवरण और रोकड़ प्रवाह विवरण। इसमें अवलोकन हेतु वर्ष के निष्पादन संबंधी प्रबंध तर्क भी सम्मिलित होते हैं, साथ ही यह उद्यम के संभावित भविष्य पर भी प्रकाश डालता है।

वित्तीय विश्लेषण की तकनीकें– वित्तीय विश्लेषण की सामान्यत: प्रयुक्त तकनीकें हैं– तुलनात्मक विवरण, समरूप विवरण, प्रवृत्ति विवरण, अनुपात विश्लेषण और रोकड़ प्रवाह विश्लेषण।

तुलनात्मक विवरण– तुलनात्मक विवरण में वित्तीय विवरणों की सभी मदों को सापेक्षित और प्रतिशत में एक विशेष समयावधि के लिए एक फ़र्म या दो फ़र्मो के मध्य तुलना हेतु दर्शाया जाता है।

समरूप विवरण– वित्तीय विवरणों के सभी मदों को समरूप विवरण एक समान आधार पर प्रतिशत के रूप में दर्शाता है, जैसे कि लाभ व हानि विवरण पर प्रचालन से आगम और तुलन-पत्र पर कुल परिसंपत्तियाँ।

अभ्यास के लिए प्रश्न

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. वित्तीय विवरण विश्लेषण की तकनीकों का संक्षेप में वर्णन करें।
2. वित्तीय आँकड़ों के लंबवत् एवं क्षैतिज विश्लेषण के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।
3. विश्लेषण एवं निर्वचन का अर्थ समझाइए।
4. वित्तीय विश्लेषण का महत्त्व बताएँ।
5. तुलनात्मक वित्तीय विवरण क्या है?
6. समरूप विवरण से आपका क्या तात्पर्य है?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. वित्तीय विश्लेषण की विभिन्न तकनीकों का वर्णन कीजिए तथा वित्तीय विश्लेषणों की सीमाओं की व्याख्या कीजिए?
2. एक कंपनी की वित्तीय निष्पादन के निर्वचन में प्रवृत्ति प्रतिशत की उपयोगिता का वर्णन कीजिए।
3. तुलनात्मक विवरण का क्या महत्त्व है? तुलनात्मक आय विवरण का एक विशिष्ट संदर्भ देते हुए अपने उत्तर की व्याख्या करें।
4. वित्तीय विवरण के विश्लेषण एवं निर्वचन से आप क्या समझते हैं? उनके महत्त्व पर चर्चा करें।
5. समरूप विवरणों को कैसे तैयार करते हैं उदाहरण देकर बताइए।

संख्यात्मक प्रश्न

1. वर्षान्त 31 मार्च 2014 तथा 2015 को अल्फ़ा लिमिटेड के तुलन-पत्र निम्नलिखित हैं। तुलनात्मक तुलन-पत्र तैयार करें।

विवरण	*मार्च 31, 2014* रु.	*मार्च 31, 2015* रु.
I. समता एवं देयताएँ		
समता अंश पूँजी	2,00,000	4,00,000
आरक्षित एवं अधिशेष	1,00,000	1,50,000
दीर्घकालीन ऋण	2,00,000	3,00,000
अल्पकालीन ऋण	50,000	70,000
व्यापारिक देय	30,000	60,000
अल्पकालीन प्रावधान	20,000	10,000
अन्य चालू देयताएँ	20,000	30,000
योग	**6,20,000**	**10,20,000**
II. परिसंपत्तियाँ		
स्थाई परिसंपत्तियाँ	2,00,000	5,00,000
गैर चालू निवेश	1,00,000	1,25,000
चालू निवेश	60,000	80,000
रहतिया/माल सूची	1,35,000	1,55,000
व्यापारिक प्राप्य	60,000	90,000
अल्पकालीन ऋण एवं अग्रिम	40,000	60,000
बैंक में रोकड़	25,000	10,000
योग	**6,20,000**	**10,20,000**

2. वर्षान्त 31 मार्च 2014 तथा 2015 को बीटा लिमिटेड के तुलन-पत्र निम्नलिखित हैं–

विवरण	*मार्च 31, 2015* रु.	*मार्च 31, 2014* रु.
I. समता एवं देयताएँ		
समता अंश पूँजी	4,00,000	3,00,000
आरक्षित एवं अधिशेष	1,50,000	1,00,000
आई.डी.बी.आई. से ऋण	3,00,000	1,00,000
अल्पकालीन ऋण	70,000	50,000
व्यापारिक देय	60,000	30,000
अल्पकालीन प्रावधान	10,000	20,000
अन्य चालू देयताएँ	1,10,000	1,00,000
योग	**11,00,000**	**7,00,000**
II. परिसंपत्तियाँ		
स्थायी परिसंपत्तियाँ	4,00,000	2,20,000
गैर-चालू निवेश	2,25,000	1,00,000
चालू निवेश	80,000	60,000
रहतिया/माल सूची	1,05,000	90,000
व्यापारिक प्राप्य	90,000	60,000
अल्पकालीन ऋण एवं अग्रिम	1,00,000	85,000
रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक	1,00,000	85,000
योग	**11,00,000**	**7,00,000**

3. निम्नलिखित सूचना से तुलनात्मक लाभ एवं हानि विवरण तैयार करें–

विवरण	*2014-15* रु.	*2013-14* रु.
बाहरी मालभाड़ा	20,000	10,000
मज़दूरी (कार्यालय)	10,000	5,000
विनिर्माण व्यय	50,000	20,000
रहतिया समायोजन	(60,000)	30,000
रोकड़ क्रय	80,000	60,000
उधार क्रय	60,000	20,000
आंतरिक वापसी	8,000	4,000
सकल लाभ	(30,000)	90,000
बाहरी ढुलाई	20,000	10,000
मशीनरी	3,00,000	2,00,000
मशीनरी पर 10% ह्रास	10,000	5,000

अल्पकालीन ऋण पर ब्याज	20,000	20,000
10% ऋणपत्र	20,000	10,000
फ़र्नीचर के विक्रय से लाभ	20,000	10,000
कार्यालय की कार के विक्रय पर हानि	90,000	60,000
कर की दर	40%	50%

4. निम्न सूचनाओं से तुलनात्मक लाभ व हानि विवरण तैयार कीजिए।

विवरण	*2013-14* रु.	*2014-15* रु.
विनिर्माण व्यय	35,000	80,000
आरंभिक रहतिया	30,000	अंतिम रहतिया का 60%
विक्रय	9,60,000	4,50,000
बाह्य वापसी	4,000(उधार क्रय में से)	6,000(नकद क्रय में से)
अंतिम रहतिया	150% आरंभिक रहतिये का	1,00,000
उधार क्रय	1,50,000	150% नकद क्रय का
रोकड़ क्रय	80% उधार क्रय का	40,000
बाहरी ढुलाई	10,000	30,000
भवन	1,00,000	2,00,000
भवन पर ह्रास	20%	10%
बैंक अधिविकर्ष पर ब्याज	5,000	-
10% ऋणपत्र	2,00,000	20,00,000
कॉपीराईट के विक्रय से लाभ	10,000	20,000
व्यक्तिगत् कार के विक्रय से हानि	10,000	20,000
अन्य प्रचालन व्यय	20,000	10,000
कर दर	50%	40%

5. निम्नलिखित सूचनाओं से शैफ़ाली लि. का समरूप लाभ व हानि विवरण तैयार कीजिए।

विवरण	*2013–14* रु.	*2014–15* रु.
प्रचालन से आगम	6,00,000	8,00,000
अप्रत्यक्ष व्यय	सकल लाभ का 25%	सकल लाभ का 25%
प्रचालन से आगम की लागत	4,28,000	7,28,000
अन्य आय	10,000	12,000
आयकर	30%	30%

6. निम्नलिखित सूचनाओं से आदित्य लि. एवं अंजलि लि. के समरूप तुलन-पत्र विवरण तैयार करें–

विवरण	*आदित्य लि.* रु.	*अंजलि लि.* रु.
I. समता एवं देयताएँ		
(क) समता अंश पूँजी	6,00,000	8,00,000
(ख) आरक्षित एवं अधिशेष	3,00,000	2,50,000
(ग) चालू देयताएँ	1,00,000	1,50,000
	10,00,000	**12,00,000**
II.परिसंपत्तियाँ		
स्थायी परिसंपत्तियाँ	4,00,000	7,00,000
चालू परिसंपत्तियाँ	6,00,000	5,00,000
	10,00,000	**12,00,000**

स्वयं जाँचने हेतु जाँच सूची

स्वयं जाँचिए–1

1. सरलीकरण 2. वर्णित 3. क्षैतिज का प्रभाव 4. लम्बवत् 5. रोकड़ प्रवाह

स्वयं जाँचिए–2

1. द 2. द 3. स 4. अ 5. ब

स्वयं जाँचिए–3

1. सत्य 2. सत्य 3. सत्य 4. सत्य 5. सत्य
6. असत्य 7. सत्य 8. सत्य 9. सत्य 10. सत्य